

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	माघ 09, बुधवार, शाके 1946- जनवरी 29, 2025 Magha 09, Wednesday, Saka 1946- January 29, 2025	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग (क)**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, जनवरी 07, 2025**

**संख्या प. 2(70)वन/2024 :-** चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की संपत्ति हैं अथवा स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी वन उपज अथवा उसके किसी अंश को (Entitled) हैं।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फारेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अंतर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती हैं।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारी की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गए हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती हैं कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि अथवा उन पर सरकार पर वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक हैं, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका हैं।

इसलिए अब राजस्थान फारेस्ट एक्ट, 1953 (1953 का एक्ट, संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फारेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर, असिस्टेंट फारेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती हैं तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा की उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवहित हैं।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) के परन्तुक (Provision) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेसर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन संपादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती हैं परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा (30) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेसर अनुसरण में यह भी घोषणा करती हैं कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरो का हटाया जाना अथवा चुना या कोयला जलाया जाना अथवा

किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ़ किया जाना निषिद्ध करती हैं।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

बीजो जॉय,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

**प्रथम अनुसूची**

क्र. सं.	नाम वनखण्ड	नाम तहसील	नाम जिला	सीमाएँ	विवरण		
					ग्राम	खसरा	रकबा हैक्टेयर में
1	2	3	4	5	6	7	8
1	तलवाड़ा पार्ट बी रेंज- गढ़ी	बांसवाड़ा	बांसवाड़ा	उत्तर:- खसरा नंबर 233/108 राजस्व भूमि बडलिया पूर्व:- सीमा ग्राम सुन्दनपुर दक्षिण:- खसरा नंबर 108 राजस्व भूमि बडलिया पश्चिम:- खसरा नंबर 229/109, 244/109, 246/109 राजस्व भूमि बडलिया	बडलिया	259/108	0.9708
					योग	1	0.9708

प्रवीण अहारी,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
गढ़ी (परतापुर)।

अभिषेक शर्मा,  
उप वन संरक्षक,  
बांसवाड़ा।

## द्वितीय अनुसूची

वन खंड:-तलवाडा पार्ट बी ग्राम:- बडलिया

रेंज:- गढ़ी तहसील :- बांसवाडा

वन मण्डल:-बांसवाडा जिला:- बांसवाडा

क्र. सं.	नाम प्रजाति (स्थानीय)	नाम प्रजाति (वोटैनिकल)
1	सागवान	Tectona Grandis
2	तैदू/टीमरू	Diospyros melanoxylon
3	कसोद	Cassia Siamea
4	आवल छाल	Cassia auriculata
5	शीशम	Dalbergia sissoo
6	बांस	Bambusa arundinacea
7	चुरेल	Holoptelia integrifolia
8	आवंला	Emblica officianlis
9	नीम	Azadirachta indica
10	महुआ	Madhuca indica
11	खैर	Acacia catechu
12	अरीठा	Sapindus emarginatus
13	सिरस (सफेद)	Albizia procera
14	अमलतास, बरडावन	Cassia fistula
15	बेर	Zizyphus oenoplia
16	ईमली	Tamarindus indica
17	कडाया	Sterculia urens
18	खिरनी	Wrightia tinctoria
19	बहेड़ा	Terminalia Bellerica
20	रोहण	Soymida febrifuga

प्रवीण अहारी,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
गढ़ी (परतापुर)।

अभिषेक शर्मा,  
उप वन संरक्षक,  
बांसवाड़ा।

**प्रारंभिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र  
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दे)**

वन खंड:-तलवाडा पार्ट बी      ग्राम:- बडलिया

रेंज:- गढ़ी      तहसील:- बांसवाडा

वन मण्डल:-बांसवाडा      जिला:- बांसवाडा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण आरक्षित भूमि है उक्त भूमि को वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्रत्यावर्तन प्रकरण कार्य हेतु जिला/वन मण्डल बांसवाडा में कुल 0.9708 हेक्टेयर वन भूमि प्रत्यावर्तन त्रिपुरा सुंदरी क्लस्टर 1 एवं पालोदा ओडा बस्सी के प्रकरण में क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु गैर वन भूमि का आवंटन जिला क्लस्टर, बांसवाडा के आदेश क्रमांक राज./आवंटन/2021/666/ दिनांक 06-04-2023 के द्वारा वन विभाग के पक्ष में किया गया। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज हैं तथा मोके पर विभाग द्वारा विकास कार्य कराया गया है। इसमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को रक्षित वन घोषित कराना प्रस्तावित है।
3. वर्तमान में 0.9708 हेक्टेयर भूमि पर प्लान्टेशन व अन्य विकास कार्य वर्ष 2002 से 2003 में कराये गये हैं एवं संधारण का कार्य प्रति वर्ष किया गया था। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुये हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्र में 0.2 हेक्टेयर तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखंड में प्रमुख प्रजातियों सागवान, तेंदू, केशिया, बांस, आवला, चुरेल, शीशम, नीम इत्यादी प्राकृतिक रूप से विद्यमान हैं तथा इस क्षेत्र में पोथो का रोपण कार्य भी विभाग द्वारा किया गया है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व बंजर (राजस्व बंजर/चारागाह/खातेदारी/वन) - भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम 5 में कर दिया गया है।
6. वनखंडों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दीशाओ, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों के सीमा को राजस्व नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र की जी.टी. शीट पर चिन्हित किया जा कर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में ही नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वनक्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट प्रकाश होना नितान्त आवश्यक है, जिसके की इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।

8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

प्रवीण अहारी,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
गढी (परतापुर)।

अभिषेक शर्मा,  
उप वन संरक्षक,  
बांसवाड़ा।

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।